

(188)

संख्या-६४२२ /XV-2/01(27)/2005

प्रेषक,

विनोद फोनिया,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
मत्स्य विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग- 02

देहरादून, दिनांक ॥ जुलाई , 2011:

विषय:- वित्तीय वर्ष 2011-12 अनुसूचित जनजाति के लिये ट्राइबल सब प्लान के अन्तर्गत तालाब निर्माण, प्रशिक्षण, साहित्य एवं विचार गोष्ठी फील्ड ट्रिप आदि की स्वीकृति के संबंध में।
महोदय,

उपरोक्त विषयक शासनादेश संख्या-644/XV-2/01(27)/2005, दिनांक 18-05-2011 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2011-12 में मत्स्य विभाग को अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अन्तर्गत मत्स्य पालन संबंधी कार्यक्रम योजनान्तर्गत द्वितीय त्रैमास हेतु निम्न कार्यों हेतु ₹ 2.50 लाख (₹ दो लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि आपके निवर्तन पर रखते हुए इसे आहरण कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :—

धनराशि (लाख ₹ में)

क्र०सं०	मद का नाम	धनराशि
1.	पर्वतीय तालाब निर्माण	2.23
2.	प्रचार प्रसार, साहित्य वितरण एवं कार्यशाला गोष्ठी का आयोजन	0.27
	कुल योग :-	2.50

- अवमुक्त की जा रही धनराशि की फॉट निदेशक, मत्स्य द्वारा करके आहरण एवं वित्तीय अधिकारियों तथा शासन को अवगत कराया जायेगा।
- धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए। शासन द्वारा समय-समय पर जारी मितव्ययता संबंधी निर्देशों का पालन अवश्य किया जायेगा।
- बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक प्रतिमाह की 5 तारीख तक प्रपत्र बी0एम0-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।

4. इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याक्षा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुरिताका में उल्लिखित नियमो एवं क्य संबंधी शासनादेशों का पालन किया जायेगा। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
5. अवमुक्त की जा रही धनराशि का दिनांक 31-3-2012 तक उपयोग कर उपयोगिता प्रमाणक, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति शासन को उपलब्ध कराई जायेगी।
6. विभिन्न मदों में व्ययभार/देयता सृजित होने पर यथाशीध धनराशि आहरित कर भुगतान की जायेगी एवं कोई भी भुगतान अनावश्यक लम्बित नहीं रखा जायेगा ताकि मासिक आधार पर व्यय की सूचना परिलक्षित होने से अनुपूरक मॉग के समय सही निर्णय लिया जा सके।
- 2— उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 में अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2405-मछली पालन-00-आयोगनागत-796-जनजाति क्षेत्र उपयोजना-03-राजि, थारू एवं बोक्सा जनजातियों के लिए फिश फार्मिंग-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

3—यह आदेश प्रमुख सचिव, वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-209 / XXVII(1) / 2011, दिनांक 31-3-2011 द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुपालन में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

✓
(विनोद फोनिया)
सचिव।

संख्या : १२२ / XV-2/01(27)2005 तददिनांक

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, ओबराय मोर्टस बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. मण्डालायुक्त, कुमार्यू/गढवाल, उत्तराखण्ड।
3. स्टाफ ऑफिसर-प्रमुख सचिव एवं आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास विभाग को अवगत कराने हेतु।
4. निजी सचिव-मंत्री, मत्स्य विभाग को मा० मंत्री जी को अवगत कराने हेतु।
5. वित्त अनुभाग-4 / नियोजन विभाग / समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
6. कोषाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
7. निदेशक, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(जी०बी० ओली)
संयुक्त सचिव।